Roll No. .....

91205-N

B. A. (Pass Course) 1st Semester Examination – December, 2022

SANSKRIT (ELECTIVE) w. e. f. 2012-13

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 80*

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उनको पूर्ण एवं सही प्रश्न-पत्र मिला है। परीक्षा के उपरान्त इस संबंध में कोई भी शिकायत नहीं सुनी जायेगी।

सूचनाः – सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिए – 2 × 8 = 16

(i) भवान् कस्यां कक्षायां पठति ?

(ii) भवतः ग्रामः कः ?

(iii) 'लघुपतनक' कौन था ?

(iv) चूड़ाकर्ण नामक सन्यासी कहाँ रहता था ?

(v) भानु शब्द का षष्ठी एकवचन का रूप क्या है ?

(vi) हस् धातु, लृट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन का रूप ?

(vii) 'नरेन्द्रः' का सन्धिविच्छेद कीजिए।

(viii) 'पुनारमते' का सन्धिविच्छेद कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *आठ* प्रश्नों का संस्कृत में उत्तर दीजिए 2 × 8 = 16

(i) भवतः नाम किम् ?

(ii) भवान् किं करोति ?

(iii) कुतः आगच्छति ?

(iv) अन्यः कः विशेषः ?

(v) अद्य भवतः कार्यक्रमः कः ?

(vi) भवान् विवाहितः किम् ?

(vii) भवतः पिता कुत्र कार्यं करोति ?

(viii) भवतः वयः कियत् ?

(ix) पुनः अस्माकं मेलनम् कदा ?

(x) भवन्तः कति सहोदराः ?

(xi) अयं मार्गः कुत्र गच्छति ?

(xii) भवतः वर्गशिक्षकः कः ?

3. (क) किन्हीं *तीन* का सरलार्थ लिखिए – 4 × 3 = 12

(i) काव्य-शास्त्र-विनोदेवन कालो गच्छति धीमताम्।
व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा।।

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ii) गताऽनुगतिको लोकः कुट्टनीमुपदेशिनीम्।
प्रमाणयति नो धर्मे यथा गोघ्नमपि द्विजम्।।

(iii) सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।
अतीत्य हि गुणान् सर्वान् स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते।।

(iv) ईर्ष्यी घृणी त्वसंतुष्टः क्रोधनो नित्यशंकितः।
परभाग्योपजीवी न षडेते दुःखभागिनः।।

(v) माता मित्रं पिता चेति स्वभावात् त्रितयं हितम्।
कार्यकारणतश्चान्ये भवन्ति हितबुद्धयः।।

(vi) भक्ष्यभक्षकयोः प्रीतिर्विषादेरेव कारणम्।
शृगालात्पाशबद्धोऽसौ मृगः काकेन रक्षितः।।

(ख) मृग-शृगाल कथा *अथवा* चित्रग्रीव-हिरण्यक कथा का सार लिखिए। 4

4. (क) किन्हीं *दो* शब्दों के सम्पूर्ण रूप लिखिए – $4 \times 2 = 8$

कवि, भानु, पितृ, मति, धेनु, वारि

(ख) किन्हीं *दो* धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए – $4 \times 2 = 8$

पठ् (लुट्), गम् (विधिलिङ्), हन् (लोट्), नृत् (लृट्)

5. (क) दीर्घ सन्धि *अथवा* अयादि सन्धि की सोदाहरण परिभाषा बताइए। 6

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं *पाँच* में सन्धिच्छेद कीजिए – $2 \times 5 = 10$

विद्यालयः, नागेशः, यद्यपि, अन्वयः, विधूदयः, वागर्थः, पुनारमते, तरुच्छाया।

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com